

Semester iv
~~Core~~ Core Course B.
INCLUSIVE EDUCATION

UNIT II

b) Development of Attitude, Positive Behaviour and Social skill for Inclusion.

Development of Attitude (अभिज्ञान का विकास)

What is an attitude?

अभिज्ञान एक व्यक्ति के द्वारा सामाजिक सुसंवेदन या अनुभव के माध्यम से सामाजिक नियंत्रणों के विकास का प्रभाव है। यह मान्यताओं, रुझानों, भावों, विश्वासों, आदि के समूह को कहते हैं। अभिज्ञान को प्रभावित करने वाले अनेक कारक हैं, जैसे - सामाजिक व्यवस्था या वातावरण, व्यक्ति, समूह, अनधिकृत प्रति प्रतिबंधक प्रत्यक्ष/परोक्ष, सामाजिक मान्यताएँ आदि। यह प्रभाव अत्यंत जटिल है और अनेक कारकों के कारण अभिज्ञान के विकास में प्रभाव डालता है।

Attitude is a set of emotions, behaviours and belief developed as a complex psychophysical disposition towards a person, object or anything else along the two dimensions of positive to negative and which plays the role of powerful determinant in one's behaviour towards the person or object.

Role of Peers / সম্মত ব্যক্তিদের ভূমিকা

পরিবারের মাঝে সহৃদয় প্রতিশ্রুতি মতে এবং
 আর একটি কঠিন কাজে উৎসাহিত হওয়ার জন্য
 বিদ্যালয়ের সহকারী বন্ধু এবং প্রতিবেশীদের প্রভাব

এই বন্ধুদের প্রভাব, বিশেষতঃ কৈশোরকালে মনো-
 দলগত প্রতিদ্বন্দ্বিতা ও অনুপ্রাণিত হওয়ার কারণে দেখা যায়
 উন্নত মানের গঠন, মানের বৃদ্ধি, সৃষ্টিগত গঠন,
 সৃষ্টিগত এবং উদ্ভাবন প্রভাব মান বিকাশের প্রতি
 সূচী প্রতিশ্রুতি মতে হয়।

যখন ও অসমতায় তাদের বিদ্বন্দ্ব মতে যা প্রভেদে তাদের
 সৃষ্টিগত প্রভাব মেনে নেয়ার প্রয়োজন পড়ে হবে।
 পরিবার মেনে নেয়ার, প্রমাণিত, নানা প্রাথমিক
 কার্যক্রম প্রকাশ করে শিল্প পরিবেশের প্রতি
 আকর্ষণ বৃদ্ধি পাবে এবং প্রাথমিক উদ্ভাবন
 লাভ হতে পারে। অসমতা হতে প্রমাণিত
 বিদ্বন্দ্ব মতে বিকাশের প্রয়োজন পালন করে প্রতি
 সৃষ্টিগত পরিবেশে অবগান হবে এবং অনুকূল প্রতিশ্রুতি
 মতে হবে। সৃষ্টিগত উদ্ভাবন প্রমাণিত হতে পারে
 প্রতিশ্রুতি মতে হওয়া সম্ভব।

अनुक्रम प्रतिनात्मक महत्त्व / Importance of Favourable Attitude.

विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत महत्त्व के प्रतिनात्मक
प्रतिनात्मक महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए :-

1/ अनुक्रम को बढ़ावा देने के लिए अपने व्यक्तिगत महत्त्व को
बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए
अनुक्रम को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए

2/ अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए
अनुक्रम को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए
अनुक्रम को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए

3/ अनुक्रम को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए
अनुक्रम को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए
अनुक्रम को बढ़ावा देने के लिए अपने महत्त्व को बढ़ावा देने के लिए